ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–82
दिनांक– शुक्रवार, 31 अक्टूबर, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.7 एवं 20.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 90.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 69.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.9 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 0.9 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 26.2 एवं दोपहर में 31.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 50.8 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(31 अक्टूबर–04 नवम्बर, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 31 अक्टूबर–04 नवम्बर, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- अगले 12–24 घंटों तक चक्रवाती तूफान का प्रभाव बरकरार रहने की सम्भावना है। इस दौरान ज्यादातर स्थानों पर हल्की–हल्की वर्षा हो सकती है तथा कुछ स्थानों मध्यम वर्षा भी हो सकती है। 1 नवंबर के दोपहर के बाद मौसम में सुधार होने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 25–28 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 21–23 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 7–10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने की संभावना है। 4–5 नवम्बर को पछिया हवा भी चलने की सम्भावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पिछले दिनों में मौसम खराब होने के वजह से अच्छी वर्षा हुई है तथा अगले 12–24 घंटों तक वर्षा की सम्भावना बनी रह सकती है। अतः किसान भाई इस स्तिथि को देखते हुए धान की कटनी तथा दौनी के कार्य स्थगित रखे तथा मौसम साफ रहने पर ही कटनी दौनी का कार्य करें। जिन किसान भाइयों में खेत में पानी का जल जमाव की स्थिति हो गयी हो वैसे किसान अपने खेत से पानी निकलने की उचित इंतजाम करें।
- मौसम को देखते हुए रबी मक्का की बुआई 2–3 दिन के बाद कर सकते हैं। इसके लिए संकर किस्में शक्तिमान 1 सफेद, शक्तिमान 2 सफेद, शक्तिमान–3 पीला, शक्तिमान 4 पीला, शक्तिमान–5 पीला, गंगा 11 नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का 1, राजेन्द्र संकर मक्का 2 एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में– देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला इस क्षेत्र के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में 100–150 क्विंटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्रम नेत्रजन, 75 किलोग्रम फास्फोरस एवं 50 किलोग्रम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर 20 किलोग्रम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी 60X20 से0मी0 रखें।
- मसुर के मल्लिका(के0–75), अरुण (पी0एल0 77–12), बी0आर0–25 के0एल0एस0– 218, एच0यू0एल0–57, पी0एल0–5 एवं डब्लू0वी0एल0 77 किस्मो की बुआई 2–3 दिन के बाद करें। बुआई के समय खेत की जुताई में 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फॉसफोरस, 20 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के 2–3 दिन पूर्व कार्बेन्डाजीम फूंदनाशक दवा का 1.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करें। तत्पश्चात कीटनाशी दवा क्लोरपाईरीफॉस 20 ई.सी. का 8 मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (5 पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- आलू की रोपनी के लिए तापमान अनुकूल हो रहा है। अतः किसान भाई खेत की तैयारी एवं रोपाई 2–3 दिन के बाद शुरु करें। कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी अरुण, राजेन्द्र आलू– 1, राजेन्द्र आलू– 2 तथा राजेन्द्र आलू–3 इस क्षेत्र के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज दर 20–25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखे। पंक्ति से पक्ति की दूरी 50–60 से0मी0 एवं बीज से बीज की दूरी 15–20 से0मी0 रखें। आलू को काट कर लगाने पर तीन स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर 24 घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलॉल या एमीसान के 0.5 प्रतिशत घोल या डाइथेन एम0 45 के 0.2 प्रतिषत घोल में 10 मिनट तक उपचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (20–40 ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है। खेत की जुताई में कम्पोस्ट 200–250 क्विटल, 75 किलोग्रम नेत्रजन, 90 किलोंग्रम फास्फोरस एवं 100 किलोग्रम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- लहसुन की बुआई 2–3 दिन के बाद करें। गोदावरी (सेलेक्सन–1), श्वेता (सेलेक्सन–10), एग्रीफाउंड डार्करेड (जी–11), एग्रीफाउंड व्हाईट (जी–41), एग्रीफाउंड पार्वती (जी–313), जमुना सफेद–2 (जी0–50), जमुना सफेद–3 (जी0–282), जमुना सफेद–4 (जी0–323) एवं आर0ए0यू0 (जी–5) लहसुन की अनुशंसित किस्में है। बीज दर 300–500 किलोग्राम जावा प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दूरी 15X10 से0मी0 रखें।
- रबी प्याज की बुआई नर्सरी में 2–3 दिन के बाद करें। इसके लिए एग्रीफाउण्ड लाईट रेड, अर्का निकेतन, एन 2–4–1, नासिक रेड, पूसा रेड एवं भीमाराज किस्में अनुशंसित है। बीज दर 8–10 किलो प्रति हेक्टेयर रखें। पौधशाला में क्यारियों की चौड़ाई 1.0 मीटर एवं लंबाई अपने सुविधानुसार 3 से 5 मीटर रख सकते है।
- धनियाँ की बुआई 2–3 दिन के बाद करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्शन, हिसार आंनद धनियाँ की अनुशंसित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर 18–20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दूरी 30X20 से0मी0 रखें। बीज को 2.5 ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।

आज का अधिकतम तापमानः 22.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 8.2 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 20.0 डग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी